B.A. (Part-I) EXAMINATION, 2015

(Compulsory Paper)

GENERAL HINDI

Time Allowed : Three hours **Maximum marks : 100**

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) तकनीकी प्रबन्ध का वृक्ष तभी फैलता है जब सकल रूप में जरूरतों, नवीनीकरण, अंतर्निर्भरता और प्राकृतिक प्रवाह का स्व-कार्यान्वयन होता है। विकास के प्रतिरूप ही विकास की प्रक्रिया के लक्षण होते हैं, जिनका मतलब यह होता है कि चीजें धीमें परिवर्तन और अचानक रूपान्तरण के मिले-जुले रूप में चलती हैं। हर रूपान्तरण या तो एक नई छलाँग को जन्म देता है जिससे सोच, ज्ञान अथवा क्षमता के एक और विकसित पटल का प्रादुर्भाव होता है या फिर पुराने किसी पटल पर जा गिरता है। अच्छा प्रबन्ध ऊपर उठने तथा पीछे गिरने की प्रक्रिया को इस प्रकार अनवरत जारी रखता है कि ऊपर उठने की आवृत्ति और उसका तात्त्विक आकार पीछे गिरने की अपरिहार्यता को सदा न सिर्फ सम्भाले रहे, बल्कि निरस्त भी करता चले। 10

अथवा

इस समय हिन्दी सत्ता के दबाव में है। वह नदी के भीतर पहाड़ खिसक जाने से जो होता है, वैसी हालत में है। 'न ययौ न तस्थौ'; न आगे बढ़ पाती है, न कुंड बनकर रह पाती है। वह खौल रही है। सत्ता मिली नहीं, बस वादे लगभग पचास वर्ष से मिल रहे हैं। राजनीति ने उसे 'राष्ट्रभाषा' नाम दिया। फिर राजभाषा, फिर सम्पर्क भाषा; फिर यह हो गया कि हिन्दी का नाम लें। बस 'ऑफिशियल लैंग्वेज' के नाम से उसे जानें। देखते-देखते ऐसा सगुण साकार देश भर में छाया हुआ रूप निर्गुण निराकार हो गया। इसका प्रभाव हिन्दी के वैचारिक लेखन पर ऐसा पड़ा है कि हिन्दी के वाक्य का अर्थ ग्रहण करने के लिए बीच-बीच में हिन्दी-अंग्रेजी कोश की जरूरत पड़ने लगी है। पहले सुना था, अमरकोश सामने रखकर कवि पर्याय तुकांत कविता में बैठाते थे। अब किसी विषय की पाठ्य-पुस्तक लिखनी हो, शब्दावली आपको सरकारी टकसाल की दी हुई इस्तेमाल करनी होगी। 10

(ख) प्रकृति को कुपिता अवलोक के।
प्रथम से ब्रज-भूपति व्यग्र थे।
विपुल-लोक समागत देख के।
बढ़ गई उनकी वह व्यग्रता।।

पर न सोच सके नृप एक भी।
उचित यत्न विपत्ति विनाश का।
अपर जो उस ठौर बहुज्ञ थे।
न वह भी शुभ-सम्मति दे सके।। 10

अथवा,

https://www.mdsuonline.com

धर्माडंबर के खंडहर पर
कर पद-प्रहार, कर धराध्वस्त,
मानवता का पावन मॉदर
निर्माण कर रे सृजन व्यस्त।
बढ़ते ही जाते दिग्विजयी,
गढ़ते तुम अपना रामराज,
आत्महुति के मणिमणिक से,
मढ़ते जननी का स्वर्ण ताज। 10

2. '' 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' निबन्ध में हरिशंकर परसाई ने भारतीय राजनीति के विसंगतियों पर प्रहार किया है।'' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में अपने विचार प्रकट कीजिये। 15

अथवा

तुलसी के काव्य में 'कुराज' और 'सुराज' निबन्ध का सारांश लिखते हुए, 'सुराज' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 15

3. **'' 'वीरों का कैसा हो बसन्त' कविता में राष्ट्रीय चेतना एवं ओजस्वी भावों की सहज अभिव्यक्ति हुई है।'' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिये।** 15

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र कृत कविता 'गंगावतरण' में गंगा नदी के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन करते हुए, उसका सांस्कृतिक महत्त्व बताइये। 15

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिये :

(i) पारिगहरण (ii) सन्यासी
(iii) तत्त्वाधान (iv) द्वन्द
(v) मिष्ठान (vi) बृद्धिकरण
(vii) संसोधन (viii) अतिश्योक्ति
(ix) श्रंगार। 5

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिये :

(i) उसकी सौन्दर्यता कभी न कम होगी।
(ii) इस गुप्त रहस्य को किसी पर प्रकट मत करना।
(iii) वह आजीवन पर्यन्त सेवा करता रहा।
(iv) वह बुद्धिमान स्त्री है।
(v) राम ने उत्साह के साथ शोक सहन किया।
(vi) श्यामलाल की सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने वाला है।
(vii) तुलसीदास जी की कविता के अन्दर भक्ति है।
(viii) मैंने मेरा नाम लिखा दिया है। 5

https://www.mdsuonline.com

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के समानार्थक हिन्दी शब्द लिखिये :

(i) PART-TIME (ii) AGENDA
(iii) RULE (iv) CODE
(v) DEPUTATION (vi) TENDER
(vii) SPONSOR (viii) INDEX. 5

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्द-युग्मों का अर्थभेद स्पष्ट कीजिये :

(i) अभिनय - अभिनव (ii) सूचि - सूची
(iii) वदन - बदन (iv) कटि - कीट
(v) ओर - और (vi) अभय - उभय
(vii) अवलम्ब - अविलम्ब (viii) हेम - होम
(ix) आर्द्र - आर्द्रा। 5

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों के सार्थक शब्द लिखिये :

(i) सौ वस्तुओं का संग्रह।
(ii) इन्द्रियों को वश में रखने वाला।
(iii) जो सभी को समान दृष्टि से देखता हो।
(iv) गोद लिया हुआ पुत्र।
(v) जिसका भाग्य अच्छा न हो।
(vi) थोड़ी देर में नष्ट होने वाला।
(vii) जो सम्पत्ति पिता से प्राप्त हो।
(viii) किसी का पक्ष न लेने वाला। 5

5. (क) निम्नलिखित में से एक पंक्ति का पल्लवन कीजिये :

"निन्दक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।"

अथवा

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। 5

(ख) निम्नलिखित अवतरण का एक-तिहाई संक्षेपण करते हुए उचित शीर्षक लिखिये:

नारी त्याग और तपस्या की अद्‌भुत विभूति है। इन्हीं दोनों तत्त्वों के समन्वय से हमारी भारतीय नारी का स्वरूप संगठित हुआ है। नारी जीवन का मूल मंत्र है-त्याग। और इस मंत्र को सिद्ध करने की क्षमता उसे प्रदान की है तपस्या ने। हम ठीक-ठीक कह सकते हैं कि उसके जीवन के किस अंश में इन महनीय तत्त्वों के विलास का दर्शन हमें नहीं मिलता है, परन्तु यदि हम उसे पूर्व जीवन को तपस्या का काल तथा उत्तर जीवन को त्याग का काल मानें तो कदाचित अनुचित न होगा। नारी के तीन रूप दिखाई पड़ते हैं-कन्या रूप, भार्या रूप और मातृ रूप। कवियों ने नारी की इन तीनों अवस्थाओं का चित्रण बड़ी सुन्दरता से किया है। 5

6. अधीक्षण अभियन्ता, राजस्थान विद्युत मण्डल, जोधपुर की ओर से एक निविदा सूचना का प्रारूप तैयार कीजिये, जिसमें कार्यालय हेतु फर्नीचर एवं स्टेशनरी क्रय करने का विवरण हो। 5

https://www.mdsuonline.com

अथवा

महाविद्यालय के प्राचार्य को शुल्क माफ करने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिये। 5

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिये :

(i) स्त्री शिक्षा : राष्ट्र की सर्वांगीण प्रगति।

(ii) भारत में संसदीय जनतंत्र और विपक्ष की भूमिका।

(iii) बाजारवाद और युवा वर्ग।

(iv) पर्यावरण-चेतना और विद्यार्थी।

(v) राष्ट्र का सर्वांगीण विकास स्वच्छ भारत से ही संभव है। 10

https://www.mdsuonline.com

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से